पंजीकरण सं. आर.एन. 40596/83 डाक पंजी. संख्या-डी.एल. (एन.) 05/0084/09-11

इस अंक का मूल्य 2 रुपये

॥ ओ३म् ॥

युवा उद्घोष

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् (पंजीकृत) का पाक्षिक शंखनाद

कार्यालय : आर्य समाज कबीर बस्ती, दिल्ली-110007, चलभाष : 9810117464, 9868051444

कैथल में युवक चरित्र निर्माण शिविर सम्पन्न

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् जिला कैथल के तत्वावधान में दिनांक 30 मई से 5 जून 2011 तक ग्राम कौल, जिला कैथल, हरियाणा में विशाल युवक चरित्र निर्माण शिविर का आयोजन श्री बलजीत सिंह आर्य की अध्यक्षता में किया गया। शिविर में 150 युवकों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया।

–महावीर सिंह आर्य

वर्ष-28 अंक-02 आषाढ़-2068 दयानन्दाब्द 188 16 जून से 30 जून 2011 (द्वितीय अंक) कुल पृष्ठ 4 वार्षिक शुल्क 48 रु.

Website : www.aryayuvakparishad.com aryayouthgroup@yahoogroups.com E-mail : aryayouth@gmail.com

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के राष्ट्रीय युवक चरित्र निर्माण शिविर का भव्य उद्घाटन

युवकों को सदाचार की शिक्षा से ही भष्टाचार मिटेगा

–आर्य नेता मायाप्रकाश त्यागी का आह्वान

आर्य नेता श्री मायाप्रकाश त्यागी ध्वजारोहण करते हुए व साथ में डॉ. जयेन्द्र आचार्य, महेन्द्र भाई, डॉ. अनिल आर्य, एस.सी. ग्रोवर व धर्मपाल आर्य व सामने आर्य युवक अभिवादन करते हुए।

नोएडा। रविवार, 12 जून 2011, केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के तत्वावधान में ऐमिटी इंटरनेशनल स्कूल, सैक्टर-44, नोएडा में युवा शक्ति के सर्वांगीण विकास, नैतिक शिक्षा, देशभक्ति व भारतीय संस्कृति की भावना भरने के लिए 'आर्य युवक चरित्र निर्माण शिविर' का भव्य आयोजन किया गया। शिविर में लगभग 175 युवक प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं। उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि श्री मायाप्रकाश त्यागी (प्रधान, आर्य उपप्रतिनिधि सभा, गाजियाबाद) ने कहा कि सदाचार ही जीवन का आधार है। शिक्षा पद्धति में वैदिक शिक्षा व सदाचार की भावना ही चरित्रवान युवा पीढ़ी का निर्माण करेगी। श्री त्यागी ने कहा कि शारीरिक स्वास्थ्य के लिए हमारा आहार शुद्ध शाकाहारी होना चाहिए, निद्रा पूरी करनी चाहिए व ब्रह्मचर्य (संयम व तप) का पालन करना चाहिए एवं आत्मबल वृद्धि के लिए ध्यान करना चाहिए।

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. अनिल आर्य ने कहा कि चरित्रवान युवक चरित्र निर्माण शिविरों से ही तैयार होंगे जो भ्रष्टाचार मुक्त समाज की संरचना का कार्य करेंगे। महर्षि दयानन्द की विचारधारा पर चलकर ही सही अर्थों में मानव निर्माण हो सकता है। समारोह के अध्यक्ष शिक्षाविद् डॉ. डी.के. गर्ग ने कहा कि शिविर व्यक्ति के जीवन में मजबूत नींव का कार्य करते हैं। आर्य समाज को चाहिए कि वह पुनः गुरुडम प्रथा, पाखंड, अन्धविश्वास के विरुद्ध जनजागरण करे। वैदिक विद्वान डॉ. जयेन्द्र आचार्य ने कहा कि आचारहीन व्यक्ति समाज निर्माण में बाधक है।

स्वामी रामदेव जी के स्वास्थ्य लाभ के लिए यज्ञ व सामूहिक प्रार्थना की गई। परिषद् के महामंत्री महेन्द्र भाई ने सभी का आभार व्यक्त किया। आचार्य भानुप्रकाशशास्त्री के मधुर भजन हुए। जोगेन्द्र भाटिया, कैप्टन अशोक गुलाटी, तुषार आर्य, रामलुभाया महाजन, प्रवीन आर्य, डॉ. आर.के. आर्य, लक्ष्मी सिन्हा, सुदर्शन खन्ना, रविन्द्र मेहता, जितेन्द्र डावर, संजीव आहूजा, यज्ञवीर चौहान, प्रभा सेठी, नीता खन्ना, अर्चना पुष्करणा, ए.एन. बत्रा, डॉ. दयानन्द आर्य, ओमवती गुप्ता, अमीरचंद रखेजा, यशोवीर आर्य, सुरेन्द्र गुप्ता, ओमप्रकाश डंग, रामकुमार सिंह आर्य आदि प्रमुख रूप से उपस्थित थे।

आचार्य गवेन्द्र शास्त्री का बरेली में वेद प्रचार

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के राष्ट्रीय बौद्धिकाध्यक्ष आचार्य गवेन्द्र शास्त्री का दिनांक 3, 4, 5 जून 2011 को आर्य समाज संजय नगर, बरेली में वेद प्रवचन का सुन्दर कार्यक्रम चला। पं. आशाराम, पं. दिनेश दत्त के मधुर भजन व स्वामी ब्रह्मानन्द, पं. राजदेव, पं. रामदेव के प्रवचन हुए। कार्यक्रम का संचालन आचार्य भानुप्रकाश शास्त्री ने किया।

मंच पर बायें से कै. अशोक गुलाटी, डॉ. डी.के. गर्ग, तुषार आर्य, मायाप्रकाश त्यागी व डॉ. अनिल आर्य। दायें चित्र में डॉ. डी.के. गर्ग दीप प्रज्जवलित करते हुए व साथ में डॉ. जयेन्द्र आचार्य, कै. अशोक गुलाटी, मायाप्रकाश त्यागी व डॉ. अनिल आर्य

हिन्दुओं के साथ अपने ही देश 'हिन्दुस्थान' में सौतेला व्यवहार, जरा सोचें! जिम्मेदार कौन?

–डॉ. कैलाश चन्द्र

हिन्दुओं की जनसंख्या का प्रतिशत कम करने के लिए मुसलमानों को चार-चार शादियां और अधिक बच्चे, जबकि माननीय उच्चतम न्यायालय कई बार देश के सभी नागरिकों के लिए कॉमन सिविल कोड (समान नागरिक संहिता) बनाने का आदेश दे चुका है।

शिक्षा संस्थानों में हिन्दुओं को धार्मिक शिक्षा देने पर पाबंदी किंतु गैर हिन्दी को स्वतंत्रता, जिसकी व्यवस्था भारत के संविधान की धारा 28, 29 और 30 में ही कर दी गई। गैर हिन्दू अर्थात् ईसाई, मुसलमानों आदि की शिक्षा संस्थाओं में अध्यापकों की नियुक्ति एवं विद्यार्थी के प्रवेश आदि विषयों में उनके मजहबी शिक्षा संस्थाओं में अध्यापकों की नियुक्ति एवं विद्यार्थी के प्रवेश आदि विषयों में उनके विशेष अधिकार और स्वायत्तता दिये जाने पर भी उनकी मजहबी शिक्षा संस्थाओं को अत्याधिक धन का आवंटन भारत सरकार द्वारा किया जाता है।

गैर हिन्दुओं के लिए अल्पसंख्यक आयोग (माइनॉरिटी कमीशन) जो अल्पसंख्यकों के हितों के लिए अनेक प्रकार से काम करता है।

गैर हिन्दुओं की आर्थिक सहायता और उन्नति के लिए नेशनल माइनॉरिटी डेवलपमेंट-फाइनेंस कार्पोरेशन (एन.एम.डी.एफ.सी.) का निर्माण किया गया जिसके द्वारा अल्पसंख्यकों को शिक्षा एवं उद्योग धंधों के लिए मुफ्त आर्थिक सहायता, सब्सिडी एवं 3 प्रतिशत ब्याज की दर से ऋण देने का प्रावधान है किन्तु हिन्दुओं के लिए ऐसी कोई व्यवस्था नहीं है।

संप्रग द्वारा केवल गैर हिन्दुओं के हित साधने के लिए एक अलग अल्पसंख्यक मंत्रालय भी बना दिया गया है, जिसने अनेक प्रकार के मात्र गैर हिन्दुओं को आर्थिक सहायता देने की योजना बनाई है परन्तु पता नहीं हिन्दुओं ने क्या पाप किया है जो उन्हें इन सभी योजनाओं से वंचित रखा जाता है।

दक्षिण भारत के सभी विशाल हिन्दू मंदिरों का प्रबन्धन सरकार द्वारा अपने हाथों में लिया जा चुका है और इन मंदिरों की आय का लगभग आधा धन ईसाई, मुसलमानों की संस्थाओं में बांटा जा रहा है, जो कि वास्तव में हिन्दू धर्म के प्रसार में ही खर्च होना चाहिए।

भारत सरकार द्वारा मुसलमानों को हज यात्रा के लिए करोड़ों रुपये सरकारी कोष में दिये जाते हैं, जबकि संसार का कोई मुस्लिम एवं अन्य देश भी हज यात्रा के लिए धन नहीं देता। भारत में यह हिन्दू करदाता पर एक प्रकार से दंड ही है।

अल्पसंख्यक मंत्रालय एवं प्रधानमंत्री की 15 सूत्री योजनाओं द्वारा गैर हिन्दू अर्थात् ईसाई, मुसलमान आदि के बच्चों को लाखों छात्रवृत्तियां दी जाती हैं किन्तु हिन्दू बच्चों को उनसे अधिक अंक लाने पर भी उन्हें इनसे वंचित रखा जाता है, इस प्रकार के भेदभाव से बच्चों की मनोदशा पर क्या असर पड़ता होगा, इसकी तो सिर्फ कल्पना ही की जा सकती है।

यह सब इसलिए हो रहा है कि हिन्दू अपने ऊपर हो रहे अन्याय और अत्याचार के विरुद्ध आवाज ही नहीं उठाते जबकि भारत सरकार को जो टैक्स प्राप्त होता है उसमें 93 प्रतिशत टैक्स तो हिन्दुओं द्वारा ही दिया जाता है। फिर भी श्रीमती सोनिया गांधी की अध्यक्षता में चलने वाली संप्रग सरकार (यू.पी.ए.) हिन्दुओं को ही कमजोर करने पर तुली हुई है।

यदि हिन्दुओं के प्रति हो रहा अन्याय बंद नहीं किया गया तो हिन्दू ऐसे नेताओं को वोट देना बंद कर देंगे।

333, सुनहरी बाग अपार्टमेंट, सैक्टर-13, रोहिणी, दिल्ली-85

वर्तमान का वर्तमान

–डॉ. स्वामी आर्येशआनन्द सरस्वती

कल जो हमने देखा था, वो आज नहीं है,
मानव है पर मानवता का राज नहीं है।।
कल से पहले राज्यों में राज बहुत थे,
राजाओं के राज और सरताज बहुत थे,
आज एक है राज्य मगर वो ताज नहीं है।
कल जो हमने देखा था, वो आज नहीं है।।
कहीं कंस रावण थे तो राम कृष्ण महाराज बहुत थे,
आज भी यहां राम कृष्ण हैं, मगर राम सा राज नहीं है।।
दीन दु:खी नर 'कंकालों' की अन्तर की चीत्कार बहुत है,
अबला के आंसू बहते हैं, कोई गरीब.न-वाज नहीं है।।
सच्चे सेवक नहीं दिखते, ये भ्रष्टाचारी बहुत हैं,
आतंक अत्याचार से पीड़ित, जनता की आवाज नहीं है।।
भ्रष्टाचारी शासन में मंहगाई बहुत है,
'आर्येश' अवसरवादियों को अपने देश पर नाज नहीं है।
कल जो हमने देखा था, वो आज नहीं है।

मनन आश्रम, पिण्डवाड़ा, मनन क्लीनिक, सिरोही रोड

महर्षि दयानन्द सरस्वती का आबूपर्वत प्रवास का वर्णन (अति संक्षिप्त)

–डॉ. स्वामी आर्येश आनन्द सरस्वती

चाणौद के शुद्ध ब्रह्मचारी ने स्वामी पूर्णानन्द सरस्वती से संन्यास की दीक्षा ग्रहण कर अपना नाम दयानन्द सरस्वती रखा। फिर चाणौद करनाली में रहकर ही योग साधना करने लगे। यहां दो योगि मिले जिनका नाम ज्वालानन्दपुरी और शिवानन्द गिरि था। स्वामी ज्वालानन्द ने मुझे क्रियात्मक रूप से हठयोग तथा स्वामी शिवानन्द ने मुझे क्रियात्मक राज योगी की शिक्षा दी थी। मैं वहां योगाभ्यास करता रहा और वे अहमदाबाद को प्रस्थान कर गये तथा एक मास बाद मुझे अहमदाबाद में साबरमति नदी किनारे दुधेश्वर में आकर मिलने का आदेश दे गये। एक मास बाद मैं उन्हें उनके आदेशनुसार दूधेश्वर महादेव में जाकर मिला तथा अपने योगाभ्यास का सार विवरण बता दिया। फिर उन्होंने मुझे भावि योग साधना के लिये आबूपर्वत जाने का आदेश दिया।

आबूपर्वत पर प्रवेश :- स्वामी ज्वालानन्द पुरी के साथ मैं सबसे विदाई लेकर अहमदाबाद होता हुआ आबूपर्वत के लिए रवाना हो गया।

आबूरोड आकर (2 किलोमीटर) मानपुर व मानपुर से 2 (किलोमीटर) ऋषिकेश का भवय व प्राचीन मन्दिर मिला। दो कुण्ड व चन्द्रावती नगर के ध्वसावशेष देखने को मिले। उमरनी (अम्बरीश) के आश्रम से स्वामी तर्पणानन्द भी हमारे साथ सम्मिलीत हो गये। ऋषिकेश से पुराने रास्ते से 7 किलोमीटर आरणा हनुमान होते हुये आगे 5 किलोमीटर चल आबूपर्वत में कर्णिका तीर्थ पंगु तीर्थ, अग्नि तीर्थ, पिंन्डारक तीर्थ, नाग तीर्थ और कपिल तीर्थो का दर्शन किया। गुरुजी ने मेरी साधना के लिये कई गुफाओं का दिखाया। उनमें गोपिचन्द गुफा, भर्तहरि गुफा, चंपा गुफा, और अर्बुदा गुफा उल्लेखनीय है। आबू शिखर लगभग चार योजन (16 मील) लम्बा व आधा योजन (4 मील) चौडा हैं। वहां सभी आश्रमों, मन्दिरों और गुफाओं में अपनी साध ना के अनुकूल खोज करके श्री रघुनाथ मन्दिर परिसर परिधि में मैंने रामकुण्ड सरोवर के समीप रामगुफा को उपयुक्त और अनुकूल साधना क्षेत्र चुन लिया था और वहां ही अपनी योग साधना आरम्भ कर दी थी भक्तों व महंतश्री ने मुझे पूर्ण सहयोग दिया (नोट-राम कुण्ड व राम गुफा एवं जोधपुर पेलेस, छिपाबेरी आदि स्थानों के चित्र बुक लेट में छपेंगे।) अति विशेष:- राम गुफा का नाम किसी संस्था के कहने से शान्तिगुफा कर दीया है। मगर गंवेषक डॉ. स्वामी आर्येश आनन्द सरस्वती के अनुरोध पर मन्दिर प्रबंधक डॉ. श्री राधाकृष्णदास जीने पुन: गुफा का नाम राम गुफा तथा महर्षि दयानन्द सरस्वती के योग साधना व सिद्धियों का पट बोर्ड तकती लगाने की स्वीकृति दे दी जो लगा दी गई हैं (धन्यवाद)

दिनचर्या गुरुजनों के निर्देशनुसार ही रखी गई थी। यहां मैंने सन् 1850 से 1853 तीन साल तक योग साधना कर, समाधिस्थ होकर अनेकानेक सिद्धियां व शक्तियां प्राप्त की थी। यहां ही मैने स्वामी मुक्तानन्द जी की ईच्छा मृत्यु देखी व सिखी जिसका जिक्र मैंने अपने गुरुदेवों को परीक्षा व पूछने पर सारे अनुभव व क्रियाऐं व सिद्धियों का सार व ज्ञान अनुभव बताया था तो दोनों गुरुदेव मेरी योग साधना की जानकारी से खुश हुये तथा मुझे आशीर्वाद दिया तथा कहा कि अब तुम मध्यम श्रेणी के योगी बन गये हो। अब सांसारिक व भौतिक जानकारी के लिये आगे प्रवेश करों। कुम्भ का मेला (हरिद्वार) नजदीक हैं अत: वहां जाओ वहां आपको योगी व हिमालय के सिद्ध मिलेगें। अत: कुम्भ मेले में जा उसके आदेश व प्रेरणा से कुछ सिखना स्थानीय लोग व साधु संत के साथ मैं हरिद्वार के प्रवास को रवाना हुआ जाने से पूर्व आबू के लोगों ने तथा अनेक महन्त व मठाधीश पुजारियों ने मुझे विदाई व भेंटे दी। मैं मरवाड, अजमेर, जयपुर, दिल्ली, मेरठ होता हुआ सब साथियों के साथ हरिद्वार पहुंचा चण्डी देवी क्षेत्र में मैंने अपना निवास किया।

पुन: जोधपुर में जहर दिये जाने पर विश्राम व शान्ति के लिये 21 अक्टूबर 1883 को आबूपर्वत लाये गये। रास्ते में डाक्टर लक्ष्मणदास ने दवा दी तो महर्षि ने कहा यह अमृत मुझे किसने दिया। यहां जोधपुर पेलेस में लाकर इन्हें चिकित्सा अर्थ रखा पर डाक्टर लक्ष्मणदास की राजनैतिक बिदाई व उनका स्वास्थ्य न सुधरने पर 25 अक्टूबर 1883 को उन्हें अजमेर ले गये वहां 30 अक्टूबर दिपावली के लिए भिनाई कोठी में प्रभू तेरी इच्छा पूर्ण हो कह देह त्याग संसार छोड़ दिया और 31 अक्टूबर 1883 को मलूसर शमशान में यह महा मानव पंचतत्व में विलिन हो गया। (दिपावली के दिन जग को ज्योतिमय कर ज्योति में विलिन हो गये)

(अति विशेष :- महर्षि दयानन्द की हार्दिक इच्छा थी कि इस ऋषि मुनियों योगियों की पावन भूमि आबूपर्वत पर आर्यो का कोई स्थान बने अत: स्वामी धर्मानन्द सरस्वती ने आर्ष गुरुकुल महाविद्यालय स्वामी काव्यानन्द जी ने वेद धाम व आर्य जनों ने आर्य समाज स्थापित कर इच्छा को पूर्ण किया है।)

गवेषक, मनन आश्रम, पिण्डवाडा मो. 9875063680, 9413266245

स्वामी असीमानन्द की स्वीकृति

–डॉ. शशिकान्त गर्ग

स्वामी असीमानन्द ने पुलिस के अनुसार मजिस्ट्रेट के सामने अपने समझौता एक्सप्रेस संबंधी बयान में अपना अपराध स्वीकार कर लिया है।

यहां प्रश्न यह उपस्थित होता है कि स्वामी को हिरासत में 17 नवम्बर 2010 को लिया गया, जबकि मजिस्ट्रेट के सामने उनका बयान 17 दिसम्बर को लिया गया। उनका बयान उसी दिन अथवा दो-चार दिन के अन्दर क्यों नहीं लिया गया? महीने भर तक स्वामी जी को प्रताड़ित किया गया और इस दौरान उनकी दो बार रिमांड अवधि बढ़ाई गई। इस प्रकार उनका मनोबल तोड़ देने के बाद जब वे कुछ भी सोचने के योग्य नहीं रहे, तब जबरदस्ती यह स्वीकृति वाला बयान उनके मुंह में डाल दिया गया। स्वामी जी के वकील का कहना है कि स्वामी असीमानन्द पर दबाव डाला गया। ऐसी स्थिति में तो इन्द्रेश क्या, श्री मोहन भागवत का नाम भी उनके मुंह में डाला जा सकता था।

समझौता एक्सप्रेस में बम विस्फोट के तत्काल बाद हुई जाँच में सफदर नागौरी ने यह स्वीकार किया था कि मैंने पाकिस्तानी आतंकवादियों के साथ मिलकर समझौता एक्सप्रेस में बम विस्फोट किया था। बाद में उस जांच का क्या परिणाम हुआ, कुछ पता नहीं चला। अब वर्षों बाद स्वामी असीमानन्द को आरोपी बनाकर प्रस्तुत कर दिया गया है। संदेह होता है कि श्रीमती सोनिया गांधी के 'मौत के सौदागर', राहुल गांधी के 'सिमी', मनीष तिवारी के 'नकारात्मक कार्यों में लिप्त' तथा दिग्विजय की 'बम बनाने वाली आर.एस.एस.' जैसे बयानों को आधार प्रदान करने के लिए पुलिस ने आकाओं की सेवा की है।

वैसे भी उस समाज के वोट सम्पूर्ण तथा एकतरफा पड़ते हैं तथा हिन्दुओं के वोट जातिवाद, भाषावाद आदि के आधार पर बांट दिये जाते हैं। अत: उस समाज को खुश करने के लिए हिन्दुओं को प्रताड़ना तथा इस्लामी आतंकवादियों को सुविधाएं देने का चक्र तीव्र गति से घूम रहा है। यदि स्वामी पर अत्याचार कांग्रेसी नेताओं तथा दूसरे समाज को खुश करने के लिए किया गया है तो यह नया नहीं है। मालेगांव से संबंधित आरोपियों पर इससे भी अधिक भयानक अत्याचार किये गये हैं।

मालेगांव बम विस्फोट में पहले 27 मुसलमानों को पुलिस ने पकड़ा था। बाद में मुसलमानों ने शोर मचा दिया कि हमारे ही आदमी मारे गये तथा हमारे लोगों को ही पकड़ा जा रहा है। उस समय लोकसभा तथा महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव सिर पर थे। अत: इन 27 मुसलमानों को छोड़ दिया गया तथा 11 हिन्दुओं को पकड़ लिया गया। प्रश्न यह है कि यह जांच है या समुदाय विशेष को खुश करने की चेष्टा है? जिन 27 मुसलमानों को पकड़कर छोड़ दिया गया, क्या उनमें से किसी के विरुद्ध कोई सबूत, कोई कारण पकड़ने के लिए नहीं था? यदि नहीं था तो पकड़ा ही क्यों था? कम से कम पुलिस के रजिस्टरों में उनके नाम तो पहले से ही रहे होंगे; परन्तु जिन हिन्दुओं को पकड़ा गया, उनका नाम कहीं पुलिस के रजिस्टरों में इससे पहले नहीं आया है। ये सभी ऊंचे कुलों में जन्मे श्रेष्ठ और निर्दोष व्यक्ति हैं। कुछ तो साधु-संत तथा सेना से संबंधित लोग हैं। इन पर जो अत्याचार आकाओं को खुश करने के लिए किये गये, वे दिल दहला देने वाले हैं।

मुख्य आरोपी बनाई गई प्रज्ञा सिंह ठाकुर की रीढ़ की हड्डी को क्षति हुई तथा एक पैर को भी हानि हुई। उनके साथ हुई मारपीट के कारण उनको अस्पताल में ले जाया गया, जहां उन्हें डॉक्टरों ने आई.सी.यू. में दाखिल किया और अन्त में उनहें दूसरे अस्पताल में रेफर करना पड़ा। शरीर की इतनी क्षति का अर्थ है कि जिस प्रकार बिगड़ैल पशु को पशुपालक लाठियों से पीटता है, वैसे ही साध्वी को पीटा गया होगा। उनकी आयु प्रयंका गांधी से दो-चार वर्ष ही अधिक होगी, परन्तु आकाओं की खुशी के लिए तथा कांग्रेस को सम्प्रदाय विशेष के वोट दिलाने के लिए उन्हें यमराज का द्वार दिखा दिया गया। बार-बार उन पर नार्को तथा ब्रेन मैपिंग टेस्ट किये गये। जब कुछ नहीं निकला तो कहा गया कि साध्वी ने अपने योग बल से परीक्षणों को असफल कर दिया है। अर्थात् पुलिस ने साध्वी को नाहक ही सताया था। साध्वी के विरुद्ध पुलिस के पास कोई सबूत नहीं है, उनका जो शिष्य उनके मुकदमों की वयवस्था कर रहा था, उसको भी इतना अधिक सताया गया कि उसको आत्महत्या करनी पड़ी। कर्नल पुरोहित के जबड़े को हानि पहुंची है। कहां हैं पूर्व केंद्रीय मंत्री, जो कि गुजरात पुलिस द्वारा अबू बशर के पकड़े जाने मात्र से हिल उठे थे तथा इस आतंकवादी के पिता के पैर पकड़ने आजमगढ़ पहुंच गये थे। मालेगांव बम विस्फोट के संबंध में जिन हिन्दुओं को पकड़कर अत्याचार किये गये, यदि उन अत्याचारों पर कभी विस्तार से कोई पुस्तक लिखी गई तो वह पुस्तक पाठकों को बार-बार रुलायेगी।

हिन्दुओं को लश्करे तैयबा से अधिक खतरनाक कहने वाले राहुल गांधी को क्या यह विदित है कि आतंकवाद के संबंध में जिन हिन्दुओं को पकड़ा गया है, वे भी कांग्रेस के मतदाताओं को खुश करने के लिए पकड़े गये हैं।

152/2, अहीरवाड़ा, कुन्दन कॉलोनी, बल्लभगढ़, फरीदाबाद

श्री अश्विनी आर्य पुन: प्रधान निर्वाचित

आर्य समाज, रोहिणी, सैक्टर-7, दिल्ली के चुनाव में श्री अश्विनी आर्य-प्रधान, श्री ओमप्रकाश चुघ-मंत्री व देवराज आर्य-कोषाध्यक्ष चुने गये। **-सम्पादक**

श्रीमती विमला ग्रोवर प्रधान निर्वाचित

आर्य केन्द्रीय सभा फरीदाबाद का निर्वाचन रविवार, 12 जून 2011 को सर्वसम्मति से सम्पन्न हुआ जिसमें श्रीमती विमला ग्रोवर-प्रधान, श्री महेश गुप्ता-महामंत्री व श्री सत्यप्रकाश भारद्वाज कोषाध्यक्ष चुने गये। **-जितेन्द्र सिंह आर्य, जिला अध्यक्ष**

आर्य समाज वसुन्धरा का वार्षिकोत्सव

आर्य समाज वसुन्धरा, गाजियाबाद का 10वां वार्षिकोत्सव रविवार, 26 जून 2011 को प्रात: 7 बजे से 1.30 बजे तक यूनिक प्लाजा, सैक्टर-15, प्लाट नं. सी-1, वसुन्धरा, गाजियाबाद में मनाया जा रहा हैं। **-विनोद कुमार मांगलिक, मंत्री**

आर्य उपप्रतिनिधि सभा गाजियाबाद का राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन

महामहिम राष्ट्रपति जी
राष्ट्रपति भवन, नई दिल्ली (भारत)
द्वारा-जिला अधिकारी गाजियाबाद

विषय-भ्रष्टाचार उन्मूलन हेतु ज्ञापन।

आर्य उपप्रतिनिधि सभा जनपद गाजियाबाद जो जनपद भर की 89 आर्य समाजों की प्रतिनिधि सभा है की अन्तरंग सभा ने दिनांक 10 जनू 2011 को पंडित प्रकाशवीर शास्त्री स्मृति भवन बृजघाट जिला गाजियाबाद में प्रस्ताव पारित किया कि योगऋषि स्वामी रामदेव द्वारा चलाये जा रहे भ्रष्टाचार विरोधी सत्याग्रह एवं कालेधन की वापसी हेतु 4 से 5 जून की मध्यरात्रि को रामलीला मैदान, नई दिल्ली में आमरण अनशन कर रहे हजारों लोगों पर पुलिस द्वारा बर्बरता पूर्वक किये गये अमानवीय व्यवहार की निन्दा की गयी। प्रस्ताव में भारत सरकार से ये भी मांग की गयी कि विदेशी बैंकों में जमा कालेधन को राष्ट्रीय संपत्ति घोषित कर वापिस देश में लाया जाए तथा भ्रष्टाचार उन्मूलन हेतु समुचित व्यवस्था की जाय। **-मायाप्रकाश त्यागी, प्रधान**

श्री सत्यानन्द मुंजाल को पत्नीशोक

यशस्वी आर्य नेता, समाजसेवी, हीरोसाईकिल के निर्माता श्री सत्यानन्द मुंजाल की धर्मपत्नी श्रीमती पुष्पावती मुंजाल का दिनांक 6 जून 2011 को निधन हो गया।

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् की ओर से विनम्र श्रद्धाजंलि

-डॉ. अनिल आर्य, राष्ट्रीय अध्यक्ष

आर्य समाज दरियागंज का चुनाव सम्पन्न

दिल्ली, आर्य समाज दरियागंज (रजि.) का द्विवार्षिक अधिवेशन व निर्वाचन श्री आई.डी. शर्मा, चुनाव अधिकारी की देख-रेख में दिनांक 15.05.2011 (रविवार) को प्रात: 11 बजे सम्पन्न हुआ, जिसमें निम्न पदाधिकारी घोषित हुए।

श्री विजय कुमार बुट्टन-प्रधान, श्री कंवर सिंह, श्रीमती निर्मला कुमारी-उपप्रधान, श्री महेन्द्र सिंह चौहान-मंत्री, श्री रजत गुप्ता-कोषाध्यक्ष।

एटा में युवक चरित्र निर्माण शिविर सौल्लास सम्पन्न

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् जिला एटा के तत्वावधान में दिनांक 1 जून से रविवार 5 जून 2011 तक राजरानी इन्टर कॉलेज, बहरोनपुरा, एटा में श्री शिशुपाल शास्त्री की अध्यक्षता में विशाल आर्य युवक चरित्र निर्माण शिविर का भव्य आयोजन किया गया। प्रबन्धक श्री कृष्णपाल सिंह रहे। शिविर में आचार्य सतीश सत्यम के मधुर भजन हुए। वैदिक विद्वान डॉ. वीरपाल विद्यालंकार, आचार्य महेन्द्र भाई के प्रवचन हुए। श्री करन सिंह वर्मा, श्री सौरभ गुप्ता, आशीष आर्य ने शारीरिक शिक्षा का प्रशिक्षण दिया। समारोह का संचालन श्रीमती ममता चौहान व यज्ञवीर चौहान ने कुशलतापूर्वक किया। दिल्ली से श्री रामकुमार सिंह, वेदप्रकाश आर्य, ईश्वर सिंह आर्य ने भी पहुंचकर उत्साहवर्धन किया। शिविर में 80 युवकों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया।

समापन पर दूरदराज के गांवों से हजारों लोगों ने युवकों का उत्साह बढ़ाया तथा योगासन, दण्ड-बैठक, लाठी, कराटे, लेजियम, स्तूप आदि के सुन्दर कार्यक्रम की सभी ने प्रशंसा की व ऋषिलंगर का आनन्द लेकर सभी घरों को लौटे।

दानदाताओं से अपील

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के रचनात्मक कार्यों के लिए दिल खोलकर दान दें। समस्त चैक/ड्राफ्ट ''केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् दिल्ली'' के नाम से आर्य समाज, कबीर बस्ती दिल्ली-110007 के पते पर भेजें। **–डॉ. अनिल आर्य**

फरीदाबाद युवक चरित्र निर्माण शिविर का भव्य समापन

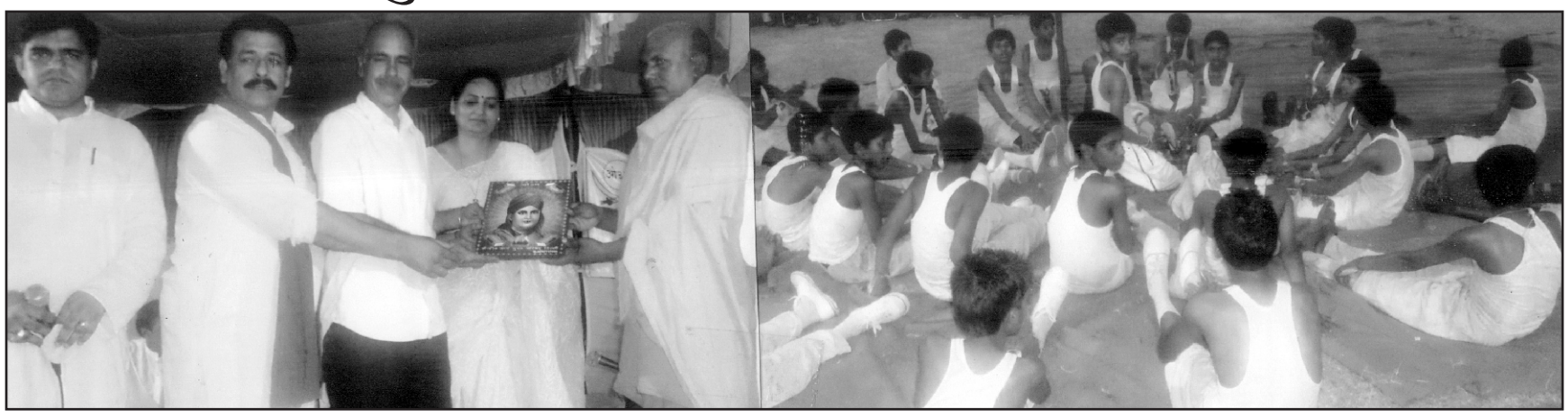

फरीदाबाद के उपायुक्त डॉ. प्रवीन कुमार व श्रीमती पूनम को सम्मानित करते डॉ. अनिल आर्य व स्वामी श्रद्धानंद सरस्वती साथ में सत्यभूषण आर्य एडवोकेट सामने युवक लेजियम का प्रदर्शन करते हुए।

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् फरीदाबाद के तत्वावधान में दिनांक 5 जून से 12 जून 2011 तक ग्रीन फील्ड पब्लिक स्कूल ग्राम सुनपेड़, बल्लभगढ़ में युवक चरित्र निर्माण शिविर का भव्य आयोजन किया गया। शिविर में लगभग 85 युवकों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया।

समारोह के मुख्य अतिथि डॉ. प्रवीन कुमार (उपायुक्त फरीदाबाद) ने कहा कि हमें शिविरों के माध्यम से विवेक की शक्ति को जागृत करना है। जिससे सही और गलत की पहचान करना सीख सकें। परिषद् के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. अनिल आर्य ने कहा कि चरित्र निर्माण से ही भ्रष्टाचार मुक्त भारत का निर्माण होगा। समारोह का संचालन जिला अध्यक्ष जितेन्द्र सिंह आर्य ने किया।

आचार्य सतीश सत्यम् के मधुर भजन हुए पं. हरिओम शास्त्री, स्वामी श्रद्धानन्द सरस्वती, मनोहर लाल चावला, श्रीमती विमला ग्रोवर (प्रधान, आर्य केन्द्रीय सभा फरीदाबाद), श्री महेश गुप्त, श्री सत्यप्रकाश भारद्वाज, श्री नरेन्द्र आहूजा विवेक, सत्यभूषण आर्य एडवोकेट, श्री बृजमोहन जी वातिस, डॉ. प्रेमपाल आचार्य आदि ने उद्बोधन दिये। चौधरी लक्ष्मी चंद आर्य, सुधीर कपूर, वीरेन्द्र योगाचार्य, सत्यपाल शास्त्री, विजय भूषण आर्य, सतपाल रहेजा, दुर्गा प्रसाद शर्मा, अशोक कुमार, जगमोहन, नन्दलाल कालरा, गजराज आर्य, सुभाष श्योराण, रघुवीर शास्त्री के पुरुषार्थ से शिविर सफलता पूर्वक सम्पन्न हुआ। दिल्ली से राम कुमार सिंह आर्य, शिशुपाल आर्य, अभयवीर चौधरी भी सम्मिलित हुए।

राजस्थान केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् का युवक चरित्र निर्माण शिविर सम्पन्न

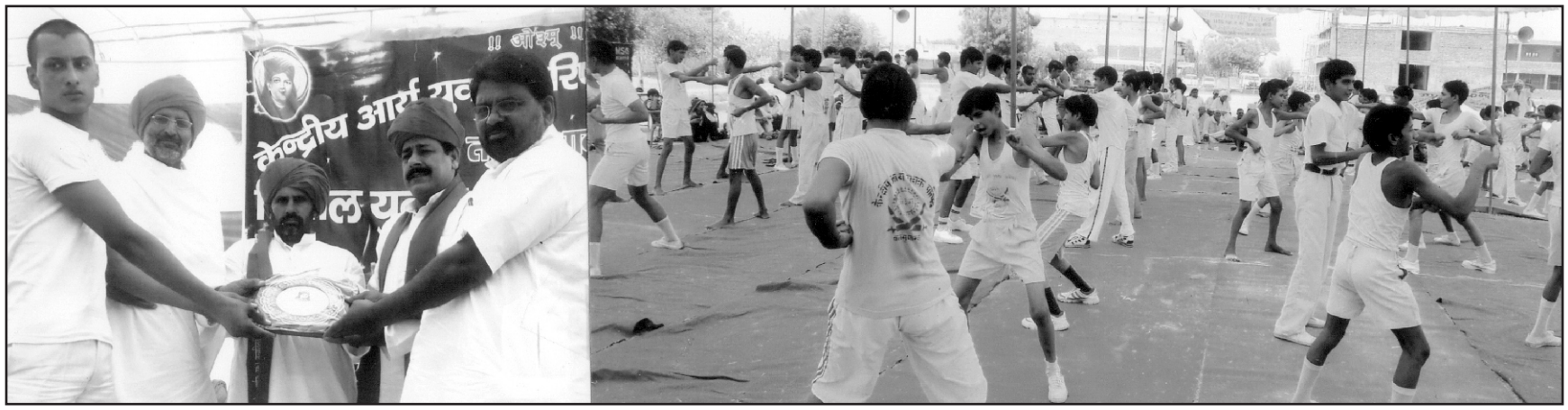

विजेता शिविरार्थी को सम्मानित करते यशदेव आर्य, रामकृष्ण शास्त्री, डॉ. अनिल आर्य व श्री विरजानन्द व सामने आर्य युवक कराटे प्रदर्शन करते हुए।

रविवार, 5 जून 2011 केन्द्रीय आर्य यवुक परिषद् राजस्थान के तत्वावधान में 30 मई से 5 जून 2011 तक डी.वी.एम. पब्लिक स्कूल, बहरोड़ (अलवर) में युवक चरित्र निर्माण शिविर का भव्य आयोजन किया गया। शिविर में 135 युवकों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया।

समापन समारोह पर परिषद् के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. अनिल आर्य, स्वामी आर्य वेश जी (संयोजक, सार्वदेशिक सभा), श्री विरजानन्द, महात्मा यशदेव, श्री समय सिंह, बाबा धर्मगिरी जी, जगमाल सिंह यादव, बहिन राजबाला के उद्बोधन हुए। समारोह का संचालन श्री रामकृष्ण शास्त्री ने कुशलतापूर्वक किया। दिल्ली से दिनेश आर्य, सन्तोष शास्त्री, प्रवीन आर्या, आस्था आर्या आदि सम्मिलित हुए।

आर.आर. बावा डी.ए.वी. कॉलेज फॉर गर्ल्ज बटाला

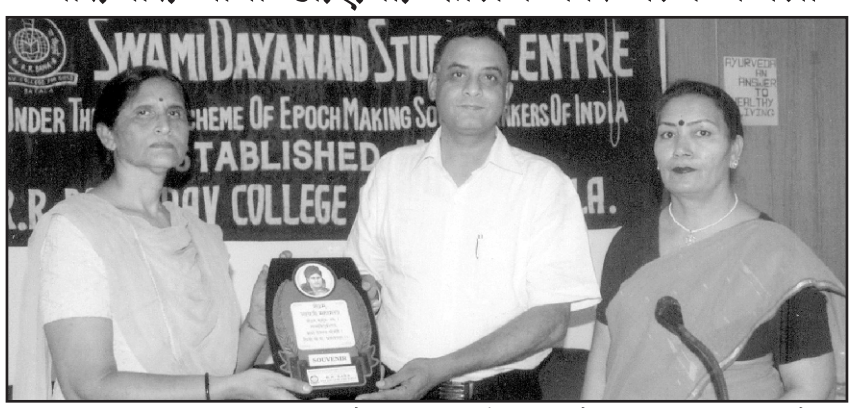

आर.आर. बावा डी.ए.वी. कॉलेज फॉर गर्ल्ज बटाला में यू.जी.सी. द्वारा चलाये जा रहे स्वामी दयानन्द अध्ययन केन्द्र की संयोजिका श्रीमती राज शर्मा ने प्रिंसीपल डॉ. अजय सरीन के निर्देशानुसार कॉलेज के सेमीनार हॉल में डॉ. संजीव सूद (एम.डी. आयुर्वेदिक मेडिसन प्रोफैसर एवं हैड पंचकर्मा विभाग, दयानन्द आयुर्वेदिक कॉलेज, जालन्धर) का अभिभाषण करवाया। डॉ. सूद ने स्वामी दयानन्द द्वारा स्थापित आर्यसमाज के विभिन्न कार्य क्षेत्रों में उनके योगदान को दर्शाते हुए बताया कि अथर्ववेद के उपवेद आयुर्वेद का आधुनिक संदर्भ में क्या महत्त्व है। इस अवसर पर डॉ. श्रीमती निज्जर, श्रीमती दीप्ति (प्रवक्ता कला विभाग), कु. नीतू (प्रवक्ता अंग्रेजी विभाग) श्रीमती सुनैना (प्रवक्ता गृहकला विभाग), कु. मनप्रीत (प्रवक्ता कम्प्यूटर विभाग), श्रीमती दलजीत कौर (प्रवक्ता पंजाबी विभाग) तथा कई अन्य लोग उपस्थित थे। अंत में कार्यकारी प्रिंसीपल श्रीमती सतीश खोसला ने डॉ. सूद एवं अन्यों का धन्यवाद किया।

स्वामी रामदेव के सत्याग्रहियों पर बर्बरता की सर्वत्र निन्दा

गत 4 जून 2011 को नई दिल्ली के रामलीला मैदान में स्वामी रामदेव जी के नेतृत्व में भ्रष्टाचार के विरूद्ध विशाल सत्याग्रह का आयोजन किया गया जिसमें देशभर से हजारों सत्याग्रही भाग लेने पहुंचे। परिषद् अध्यक्ष डॉ. अनिल आर्य के नेतृत्व में भी आर्य समाज व आर्य युवक परिषद् के सैकड़ों कार्यकर्त्ता अपना समर्थन व्यक्त करने पहुंचे।

केन्द्र सरकार स्वामी रामदेव जी के बीच समझौते के कई पहलुओं पर चर्चा व बातचीत चलती रही, लेकिन कश्मकश के बीच बात कभी बनती व बिगड़ती दिखाई दी।

इसी बीच रात्री लगभग 1.00 बजे पुलिस के हजारों जवानों ने रामलीला मैदान पहुंच कर सोये हुए निहत्थे लोगों पर लाठी चार्ज, आंसु गैस छोड़ कर मार-मार कर भगाने का कार्य प्रारम्भ कर दिया तथा दो घन्टे में रामलीला मैदान खाली करवा दिया।

रात्री में सोये हुए शांतिपूर्वक सत्याग्रहियों व संन्यासियों बच्चों महिलाओं पर पुलिस अत्याचार की जितनी भर्त्सना की जाये वह कम है। प्रजातन्त्र में दमन का कोई स्थान नहीं है। एक ओर सरकार आतंकवादियों, नक्सलवादियों से मेज पर कई कई वार्तायें करती है दूसरी ओर ऐसा अमानवीय कार्य करती है।

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद्, दिल्ली के समस्त आर्य समाज इस जघन्य काण्ड की निन्दा करता है। आर्य समाज सेवा सदन बल्लभगढ़ व व आर्य समाज, खलासी लाइन, सहारनपुर भी केन्द्र सरकार से दोषी अधिकारियों को दण्ड देने की मांग करता है।

-रामकुमार सिंह, प्रान्तीय संचालक

सम्पादक: **अनिल कुमार आर्य** द्वारा केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के लिए **मयंक प्रिंटर्स**,2199/63, नाईवाला, करोलबाग, दिल्ली-5 दूरभाष : 41548504 मो. : 9810580474 से मुद्रित व परिषद् कार्यालय आर्य समाज टी-176-177, कबीर बस्ती, दिल्ली-7 से प्रकाशित, शंकरदेव आर्य, मोबाइल : 09424840057, **प्रबन्धक** : दिनेश आर्य, मोबाइल : 9910649696